

Current Content Alert Services

Current Content Alert Services

MONTH *August* YEAR 2022

Compiler: Y. K. Rajoriya



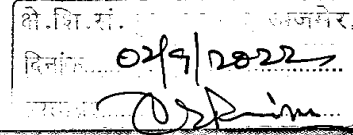
LIBRARY
REGIONAL INSTITUTE OF EDUCATION
(NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING)
Capt. D.P. Choudhary Road, Ajmer - 305004
E-mail: rieajmer@yahoo.com Phone: 0145-2643721, 2643864; (Fax) 2643862

Library

RIE, Ajmer

S.No.	Name of Journals	Vol.No.	Pages
1	आविष्कार	52(8)	1
2	अनौपचारिका	48(8)	2
3	हंस	37(1)	3
4	कथादेश	40(5)	4
5	मधुमती	62(7)	5-6
6	University News	60(29-32)	7-10

आविष्कार, वर्ष 52 अंक 8, अगस्त, 2022



आविष्कार

अगस्त 2022, वर्ष 52, अंक 8 ISSN 0970-6607

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कमोजोर अभित रस्तोगी (से.नि.)

प्रमुख
एन.जी. लक्ष्मीनारायण

संपादक
डॉ. अंकिता मिश्रा

विक्रय
प्रबंधक
स्मिता पाराशर
प्रकाशन अधिकारी
खेमचंद
अधीक्षक
बी. वी. मुरालीकृष्णन

वितरण
अरविन्द कौशिक
दीपक तुली
प्रवीन राजौरा
जयसिंह



नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट
कारपोरेशन

[वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार का उद्यम]

20-22, जमरूदपुर सामुदायिक केंद्र
कैलाश कॉलोनी एक्सटेंशन
नई दिल्ली-110048

फोन : 29240401-07
फैक्स : 091-11-29240409, 29240410
ई-मेल : ankita@nrdc.in,
editors.nrdc@gmail.com
khemchand@nrdc.in
write2@nrdc.in
वेबसाइट : www.nrdcindia.com
CIN : U74899 DL 1987 GOI 002354

लेख

स्वतंत्र भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियां

— डॉ. मनोज कुमार पटैरिया 7

ग्रामीण भारत के विकास के लिए एनआरडीसी की नवाचारी प्रौद्योगिकियां

— एन. जी. लक्ष्मीनारायण 20

अन्वा मोदाइल गणी – स्वणद्रष्टा वैज्ञानिक

— डॉ. सुबोध महंती 27

विधि

ट्राईकोडमा के उत्पादन की विधि एवं पौध रोग प्रबंधन

— डॉ. आत्मानंद त्रिपाठी 31

कौशल विकास मंच

डिजिटल वर्षाभापी एवं वर्षा सूचक

— अभिनव चौरे 35

खेल-खेल में विज्ञान

हवा में प्लास्टिक पट्टी/पंखुड़ी की उड़ान

— दुष्यन्त कुमार अग्रवाल 39

अनुसंधान और विकास

कार्बन अवशोषण क्षमता के आधार पर लगाए जा सकेंगे पेड़

— अंजलि राय 41

समाचारिकी 43-48

झट से बन जाएगी लस्सी; अंतरिक्ष के विकिरण प्रभावों को कम कर सकेगा बहुस्तरीय परिरक्षण

पदार्थ; सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए बनाया इंटेलिजेंट ओवरटेकिंग एडवाइस सिस्टम

— डॉ. शुभ्रता मिश्रा 43-44

दीवार पर चढ़ जाएगी कार; दस करोड़ वर्ष पुराने फूलों की खोज; एल्जाइमर के इलाज के

लिए नई तकनीक का विकास; अनुसंधान कार्यों के लिए अत्यंत अनुकूल है अंटार्कटिका का

पूर्ण अंधकारमय सदी का मौसम

— डॉ. प्रदीप कुमार मुखर्जी 45-48

एनआरडीसी समाचार 49-50

आवरण: पाठल सिन्हा

डिजाइनर: शाहिद इकबाल

• 'आविष्कार' नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट कारपोरेशन (एनआरडीसी) द्वारा प्रकाशित विज्ञान और प्रौद्योगिकी की लोकप्रिय विज्ञान मासिक पत्रिका है। • 'आविष्कार' में किसी लेख के प्रकाशन हेतु चयन के संदर्भ में संपादक का निर्णय अंतिम होगा। प्रकाशित लेखों और लेखकों द्वारा भेजे गए चित्रों की मौलिकता के संबंध में लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे। • 'आविष्कार' में प्रकाशित सामग्री का किसी भी रूप में उपयोग करने से पूर्व संपादक की अनुमति लेना आवश्यक है। • 'आविष्कार' में प्रकाशित किसी यात्रिक, वैद्युत, इलेक्ट्रॉनिक आदि युक्ति के काम न करने की स्थिति में पत्रिका/एनआरडीसी उसके लिए उत्तरदायी नहीं होगी। • 'आविष्कार' में प्रकाशित विज्ञापनों में किए गए दावों के लिए पत्रिका और एनआरडीसी उत्तरदायी नहीं होगी।
आविष्कार का सदस्यता शुल्क: एक प्रति: ₹50, वार्षिक: ₹550, द्विवार्षिक: ₹1,100, त्रिवार्षिक: ₹1,650

अनौपचारिका, वर्ष 48 अंक 8, अगस्त, 2022

समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सहचित्तमेधाम्।
समानं मन्त्रमभिमन्त्रये वः समानेन वो हविषा जुहोमि॥
समानी व आकृतिः समाना हृदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति॥ ऋग्वेद

अनौपचारिका

समकालीन शिक्षा-चिन्तन की पत्रिका

क्षे.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 03/8/2022
हस्ताक्षर...

वर्ष : 48 अंक : 8 श्रावण-भाद्रपद वि.सं. 2078 अगस्त, 2022

क्रम

- | | |
|--|--|
| 3. वाणी
एकादशोपनिषद् | किसलिए पढ़ें-बृजमोहन |
| 5. अपनी बात
सवाल आजादी की शिक्षा का | आलेख
16. बच्चों की परवरिश : खुशी की चाबी और
बचपन के जादुई किस्से-नताशा बधवार |
| 6. लेख
शिक्षा में सामाजिक हस्तक्षेप
-आदित्य नटराज | लेख
18. प्राथमिक शिक्षा में बाल रंगमंच-राकेश जैन |
| 11. मुझे शिक्षक होने का गर्व है
-डॉ. अशोक बोहरा 'अनित्य' | पुस्तक परिचय-मौन इतिहास : मुखर यादें
20. लोक धारणाओं वाले इतिहास का सम्मोहन
-राजेन्द्र बोड़ा |
| 13. मास्टर साहब ने ही कुछ सीखा-अशोक आत्रेय | खास खबर
23. उच्च शिक्षा में आगे बढ़ रही हैं लड़कियां |
| 14. कविताएं
किसने चाहा था-बृजमोहन
ये वक्त की आवाज है-प्रेम धवन
कोई शम्मा जलाइए-अज्ञात | स्मृति-शेष
24. भारत में इंटरनेट लाने वाले
बी.के.सिंघल नहीं रहे |
| 15. इस देश की सूरत-श्याम तोमर
शांति के सिपाही चले-दुखामल | 25. पीटर ब्रूक जिन्होंने थियेटर को
तीर्थयात्रा बना दिया |



आवरण : शिवजी
राजस्थान के धोरों पर अपने
उल्लास के पदचिन्ह छोड़नी
रंग और गति भरी आजादी



राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति
7-ए, झालाना इंगरी संस्थान क्षेत्र,
जयपुर-302004
फोन : 2700559, 2706709, 2707677
ई-मेल : raeajaipur@gmail.com

संरक्षक :
श्रीमती आशा बोथरा
संपादक :
राजेन्द्र बोड़ा
कार्यकारी संपादक :
प्रेम गुप्ता
प्रबंध संपादक :
दिलीप शर्मा

अनौपचारिका | 4 | अगस्त, 2022

हंस, वर्ष 37 अंक 1, अगस्त, 2022

संपादक
संजय सहाय
प्रबंध निदेशक
रचना यादव
कार्यालय व्यवस्थापक
वीना उनियाल
प्रसार एवं लेखा प्रबंधक
हारिस महमूद
शब्द-संयोजन
प्रेमचंद गौतम
कार्यालय सहायक
किशन कुमार, दुर्गा प्रसाद
मुख्य प्रतिनिधि (उ.प्र.)
राजेंद्र प्रसाद जायसवाल
रेखाचित्र
संदीप राशिनकर

कार्यालय
अक्षर प्रकाशन प्रा. लि.
4229/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-2
फ़ोन : 9717239112
दूरभाष : 011-41050047
ईमेल : editorhans@gmail.com
वेबसाइट : www.hanshindimagazine.in

इस अंक का मूल्य : 75 रुपए प्रति
मूल्य : 50 रुपए प्रति
वार्षिक : 500 रुपए (व्यक्तिगत)
रजिस्टर्ड : 800 रुपए
संस्था/पुस्तकालय : 700 रुपए (संस्थागत)
रजिस्टर्ड : 1000 रुपए
आजीवन : 15,000 रुपए
विदेशों में : 80 डॉलर
सारे भुगतान मनीऑर्डर/चेक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा
अक्षर प्रकाशन प्रा. लि. (Akshar Prakashan
Pvt. Ltd.) के नाम से किए जाएं।

हंस/अक्षर प्रकाशन प्रा. लि. से संबंधित सभी
विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन
होंगे. अंक में प्रकाशित सामग्री के पुनःप्रकाशन के
लिए लिखित अनुमति अनिवार्य है. हंस में प्रकाशित
रचनाओं में विचार लेखकों के अपने हैं. उनसे हंस
की सहमति अनिवार्य नहीं है. साथ ही उनके मौखिक
या अप्रकाशित होने का उत्तरदायित्व संपादक और
प्रकाशक का नहीं है बल्कि यह दायित्व रचनाकार
का है.
प्रकाशक/मुद्रक : रचना यादव खन्ना द्वारा अक्षर
प्रकाशन प्रा. लि., 4229/1, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित एवं चार दिशाएं,
जी-39/40, सेक्टर-3, लोएडा-201301 (उ.प्र.) से
मुद्रित. संपादक-संजय सहाय.

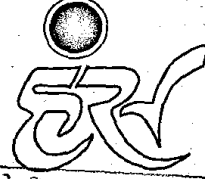
अगस्त, 2022

मूल संस्थापक : प्रेमचंद : 1930
पुनर्संस्थापक : राजेंद्र यादव : 1986

पूर्णांक-430 वर्ष : 37 अंक : 1 अगस्त 2022



साभार : Hadynyah



क्षे.शि.सं. पुस्तकालय, अजमेर.

दिनांक : 12/8/2022

हस्ताक्षर : [Signature]

जनचेतना का प्रगतिशील कथा-मासिक

इस अंक में

संपादकीय

4. खुशगवार खबरें : संजय सहाय

अतिथि संपादकीय

5. आइए, आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाएं! :
संजीव कुमार

ज हन्यते

9. 'इकलाव जिंदाबाद...' अलविदा कहते हुए
चले गए नारंग साहब : भारत भारद्वाज

साक्षात्कार

12. हिंदुत्ववादी ताकतें प्रतिक्रान्ति का नेतृत्व कर रही
हैं : (प्रो. प्रभात पटनायक से राजेंद्र शर्मा की बातचीत)

कहानियां

20. खुली आंखें : संजीव
28. विद्या सिन्हा की मुस्कान : प्रत्यक्षा
38. पत्थर : प्रियदर्शन
50. यत : वंदना राय
60. फांसी : राकेश बिहारी

कश-म-कश

77. एक अदना, मापूली शब्द : योगेंद्र आहूजा

कविताएं

68. वसंत त्रिपाठी
70. अनुराधा सिंह
72. जसिला केरकेडा
73. फरीद खां
75. अनुपम सिंह

लेख

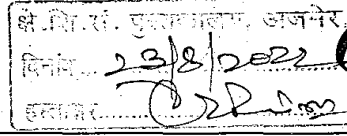
83. हिंदुत्व और फासीवाद : रामचंद्र गुहा ✓
86. मर गया देश, अरे, जीवित रह गए तुम! :
चंचल चौहान
91. 'अमृत' काल में विष :
प्रसन्न कुमार चौधरी
96. अब तो बेल फैल गई : अनामिका
102. साहित्य की चुनौती- 'स्वराज्य से
स्वाधीनता तक : धीरेन्द्र यादव ✓
107. बेलगाम दलान पर पत्रकारिता :
सीमा मुस्ताफा
110. आजादी के 75 साल और हिंदी सिनेमा :
जदवीमल्ल पारख
122. आदिवासी संपर्क की व्यापक और लोकप्रिय
होती चेतना : महादेव टोप्यो ✓
127. 'हिंद स्वराज' और हमारा समय : गोपाल प्रधान ✓



LIBRARY, RIE, AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

कथादेश, वर्ष 40, अंक 5, अगस्त, 2022

साहित्य, संस्कृति और कला का समग्र मासिक



कथादेश

वर्ष : 40

पुनर्प्रकाशन वर्ष : 26

अंक : 05

अगस्त 2022

हवा-पानी	रेखाचित्र	यायावर की डायरी
6. फजल रशीद : कहानी इंसान के कुदरत से बिछड़ने की कहानियाँ	15. अजीत कौर : बातों का जादूगर : बलवंत गार्गी (अनुवाद : सुभाष नीरव)	97. सत्यनारायण : खोये हुए दरख्त बारामासी (व्यंग्य)
32. धनेश दत्त पाण्डेय : सोहबत	9. जितेन्द्र भाटिया : नागफनी के कंटीले जंगल में	95. ज्ञान चतुर्वेदी : दोरमन और कविमन समीक्षा
53. संजय कुमार सिंह : घर का पता	11. एडुआर्डो गेलीआनो : प्रेम तथा युद्ध के दिन और रात! (संस्मरणात्मक गद्य)	91. महेश दर्पण : मुकेश वर्मा की कहानियाँ परिदृश्य
56. मार्टिन जॉन : विषपुरुष	रंगमंच	88. श्रीधरम : साहित्य-समाचार कब्रियन की वार्ता
62. लतिका बत्रा : किट्टी	84. नवीन चौबे : निठल्ले की डायरी में कक्काजी के नोट्स	98. विश्वनाथ त्रिपाठी : मज़दूरी और प्रेम
68. मीना गुप्ता : बोल पड़ी जीत	दलित प्रश्न	
68. ममता शर्मा : तीन दिन यात्रा-संस्मरण	78. बजरंगबिहारी तिवारी : दलित कविता : पुराने प्रश्न नए स्वर	कुल पृष्ठ संख्या : 96+4
43. शम्पा शाह : नीलमणि, नोबाव और नौ पहाड़ियों वाली घाटी		आवरण चित्र : अनुप्रिया
कविताएँ		अंदर के समस्त चित्र : जयंत देशमुख
50. जावेद आलम खान की कविताएँ		

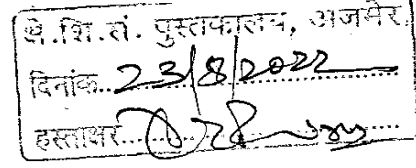
<p>सम्पादन-परामर्श सुभाष पंत हर्षीकेश सुलभ सत्यनारायण योगेन्द्र आहूजा</p> <p>संपादन-सहयोग आनंद हर्षुल शम्पा शाह रश्मि रावत</p> <p>सम्पादक हरिनारायण</p>	<p>कानूनी सलाहकार मनीष पाठक</p> <p>प्रचार/प्रसार मुदित</p> <p>सम्पादकीय कार्यालय एल-57 बी, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095 मो. : 7303401407, 7701938525</p> <p>E-mail : kathadeshnew@gmail.com</p>	<p>शाखा कार्यालय श्रीमती (डॉ.) स्मृति सिंह सावित्री सदन, कबीर मार्ग, बनी पार्क, जयपुर (राजस्थान)</p> <p>इस अंक का मूल्य 50/- मूल्य वार्षिक (व्यक्तिगत) : 500/- रजिस्टर्ड डाक से : 700/- मूल्य वार्षिक (संस्था तथा लाइब्रेरी) : 700/- रजिस्टर्ड डाक से : 900/- आजीवन सदस्यता : 10000/- रजिस्टर्ड डाक से : 15000/- वार्षिक (विदेश) : 60 डॉलर</p>	<p>सारे भुगतान बैंक या बैंक ड्राफ्ट कथादेश के नाम से किये जायें. कथादेश से सम्बन्धित सभी विवाद केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे.</p> <p>मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक हरिनारायण, एल-57 B, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095 द्वारा स्वास्तिक आफसेट, एम-120, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032 से मुद्रित.</p>
---	---	--	---

3 कथादेश □ अगस्त 2022

LIBRARY, RIE, AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

मधुमती, वर्ष 62, अंक 7, जुलाई, 2022

क्रम



विशेष स्मरण

नामवर सिंह : अविस्मरणीय लम्हों का सफ़र प्रकाश मनु	11	मेवाड़ की अनमोल धरोहर- नाहर नृत्य अभिषेक श्रीवास्तव	99
कविताएँ		कहानी	
विजय राही	28	नफा-नुकसान	
विनोद पदरज	31	संगीता माथुर	104
कैलाश मनहर	34	टुकड़ों में बँटी मुलाकातें	
नरेन्द्र पुण्डरीक	38	दिनेश विजयवर्गीय	109
रश्मि शर्मा	43		
लेख		उपन्यास अंश	
हिंसा-अहिंसा पर असमाप्त बहस राजीव रंजन गिरि	49	अज्ञातवास का हमसफ़र राजेन्द्र मोहन भटनागर	118
अपने-अपने अज्ञेय मोहन कृष्ण बोहरा	66	संस्मरण	
पराजित कालरात्रि की गाथा रंजना अरगाड़े	90	रमेशचन्द्र शाह : पाँखुरी-दर-पाँखुरी खुलता एक फूल श्यामसुन्दर दुबे	131
नारी स्वातंत्र्य और सुभद्राकुमारी चौहान की कहानियाँ राजेन्द्र उपाध्याय	94	यह तो हृद है अनिरुद्ध उमट	136

LIBRARY, RIE, AJMER
CURRENT CONTENT ALERT SERVICES

मधुमती, वर्ष 62, अंक 7, जुलाई, 2022

समीक्षा

जीवन जल से भरा भारहीन आकाश अरुण कमल	141
अभी शेष है बेचैनी बीज में स्वप्निल श्रीवास्तव	145
दृष्टि और सृजन का अन्तर्पाठ सतीश राठी	148
मिट्टी की सौंधी-सी महक लिए सुगढ़ कहानियाँ गोपाल माथुर	152
कैलाश वाजपेयी का समग्र विवेचन शुभा श्रीवास्तव	155
साहित्य समाचार	158
प्राप्ति स्वीकार	163
विज्ञप्ति	164
अकादमी प्रकाशन	176

University News, Vol. 60, No. 29, July 25-31, 2022

UNIVERSITY NEWS
Vol. 60
No. 29
Price Rs. 30.00
July 2022
A Weekly Journal of Higher Education
Published by the Association of Indian Universities

क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, अजमेर
दिनांक 01/8/2022

National Education Policy —2020 and the Framework for Multidisciplinary Education

Anil S Sutar*

ITEMS	In This Issue	PAGE
Articles		
National Education Policy —2020 and the Framework for Multidisciplinary Education		3
Discerning the Changing Scenario of Medical Education in India		8
Innovative Applications of Online Pedagogies		20
Convocation Address		
Indian Institute of Management Ahmedabad, Gujarat		29
Campus News		32
Book Review		37
The Elixir of Experience: A Must Grab		37
Theses of the Month (Science & Technology)		40
Advertisement		45

New Subscription Tariff (Effective April 01, 2020)				
Institutions	Inland		Foreign	
	Academics/ Students	Airmail	Surface Mail	Surface Mail
	Rs.	Rs.	US\$	US\$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

(at residential address only)

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:
Prof. Suranjan Das
Editorial Committee Chairperson:
Dr (Ms) Pankaj Mittal
Editorial Committee:
Dr Baljit Singh Sekhon
Dr Amarendra Pani
Dr Youd Vir Singh
Editor:
Dr Sista Rama Devi Pani

#Let's Beat Corona Together

The National Education Policy–2020 (NEP 2020) emphasizes more on holistic and multidisciplinary education. The policy not only articulated quite well the need for multidisciplinary education but also provides a robust framework for it. Our university system which has been organized into departments tends to focus more on disciplinary specialization. The ideas of interdisciplinary, multidisciplinary, transdisciplinary learning, research and practice have been expressed without much clarity and without a proper action plan. The approach towards multidisciplinary education so far did not envisage a framework for building it as a permanent feature of higher education. It was meted out a more ad-hoc treatment. Rhetoric expression of the significance of interdisciplinary-multidisciplinary approaches to learning, research and practice has been abundant. But what was missing was the serious effort in implementing the notions of interdisciplinary and multidisciplinary education. The operationalization of multidisciplinary education calls for adjustments at several levels – at the level of disciplines, at the level of teams and at the institutional level. The NEP–2020 provides clarity about multidisciplinary Education and lays down a road map for its implementation in higher education. The literature dealing with multidisciplinary education unravels several issues and problems that have been unaddressed so far being discussed here.

Lack of Conceptual Clarity

There are several interrelated terms such as multidisciplinary, interdisciplinary, transdisciplinary and cross-disciplinary which have been often used interchangeably. Of course, the boundary between these terms is quite thin and most of them involve a similar process of coordination across several disciplinary perspectives. But each of these terms is quite distinct and has its own methodology and epistemology. The interdisciplinary approach aims to integrate perspectives of different disciplines to arrive at a common result whereas the multidisciplinary approach aims toward gaining competencies from different disciplines simultaneously keeping intact the disciplinary boundaries. In this sense, a multidisciplinary approach is more additive in nature than integrating (Klein 1990). The NEP articulates the term multidisciplinary education in a more crystal and precise manner and the policy is quite consistent with the usage of the term multidisciplinary education.

* Professor, School of Research Methodology, Tata Institute of Social Sciences, Deonar, Mumbai - 400 088 (Maharashtra). E-mail: anilss@tiss.edu

University News, Vol. 60, No. 30, July 25-31, 2022

के.सि.सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक... 01/8/2022
K P Singh

UNIVERSITY NEWS
Vol. 60 July 25-31
No. 30 2022
Price Rs. 30.00

A Weekly Journal of Higher Education
Published by the Association of Indian Universities

ITEMS	PAGE
In This Issue	
Articles	
Hundred Years of University of Delhi: A Glorious Journey from Take On to Take Off	3
The Status of Digital Infrastructure for Translating the Vision of National Education Policy—2020 into Reality: Challenges and Responses	16
Dynamics of Higher Education in India: Reflections from National Higher Education Qualifications Framework	25
Convocation Address	
Maharaja Ranjit Singh Punjab Technical University, Bathinda	30
Campus News	34
Communication	
The <i>Agnipath</i> Scheme: A Comparative Perspective	37
Theses of the Month (Social Sciences)	39
Advertisement	44

New Subscription Tariff (Effective April 01, 2020)				
	Inland		Foreign	
	Institutions/Students	Academics/ Mail	Airmail	Surface Mail
	Rs.	Rs.	US\$	US\$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

(at residential address only)

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:
Prof. Suranján Das

Editorial Committee Chairperson:
Dr (Ms) Pankaj Mittal

Editorial Committee:
Dr Baljit Singh Sekhon
Dr Amarendra Pani
Dr Yousuf Vir Singh

Editor:
Dr Sista Rama Devi Pani

#Let'sBeatCoronaTogether

Hundred Years of University of Delhi : A Glorious Journey from Take On to Take Off

K P Singh*

The University of Delhi entered 100 years on 1st May 2022. The Opening ceremony of the centenary celebrations of Delhi University was graced by the His Excellency Vice President of India, Shri M. Venkaiah Naidu and Shri Dharmendra Pradhan, Hon'ble Union Minister of Education. This eparchial study traces the growth and development of the University of Delhi since its inception (1922-2022). Paper linked the major developments that took place during the Vice Chancellors of University of Delhi the first Vice Chancellor Dr. Hari Singh Gaur to the present Vice Chancellor Prof. Yogesh Singh. This study is unique in nature and its presentations.

From around 1911 to 12, there was growing dissatisfaction among British officials in London and Calcutta, both on educational and political grounds regarding the model of affiliating universities. In 1917, the Calcutta University Commission was appointed under the chairmanship of Sir Michael Sadler to study the situation. It submitted a comprehensive report two years later on the improvement of education from school to the university level. One of the major recommendations of the commission was the establishment of teaching and residential universities in India as Sadler and his colleagues were inspired by the Oxford University model. The universities set up after this at Patna, Dacca, Banaras, Aligarh, Lucknow, and Hyderabad followed the recommendation by the Sadler Commission.

The University of Delhi was established in 1922, as a unitary, teaching and residential University on the recommended lines by an Act of the Central legislature Assembly. Only four colleges existed then in Delhi and were affiliated with Panjab University, Lahore (established in 1882), namely - St. Stephen's College (1881), Hindu College (1899), Lady Hardinge Medical College for Women started in 1916, and Ramjas College founded in 1917. Except for the Lady Hardinge Medical College for Women, the other three got affiliated with the newly established University of Delhi.

Thus, the University had a modest beginning with three colleges and two faculties (Arts and Science) and about 750 students without any University professors or readers. At the time of its establishment, the University had no building of its own, and its administrative offices were housed in rented accommodations at Under Hill Road and the Old Secretariat.

The then Viceroy, Lord Reading became the first Chancellor and appointed Sir Hari Singh Gour, a distinguished barrister-at-law from

* Director, Gandhi Bhawan & Provost, PG Men's Hostel, University of Delhi & Professor, Department of Library and Information Science, University of Delhi, Delhi-110007. E-mail: kpsingh330@gmail.com

University News, Vol. 60, No. 31, August 1-7, 2022

के. वि. सं. पुस्तकालय, अजमेर
दिनांक 12/8/2022
D.R.

UNIVERSITY NEWS
August 01-07
No. 31 2022
Price Rs. 30.00

A Weekly Journal of Higher Education
Published by the Association of Indian
Universities

In This Issue		PAGE
ITEMS		
Articles		
History of Examinations Reforms in Higher Education in India		3
The Sociological Aspect of Women Library Professionals in Assam: A Study		8
Second Tier Administrative Structure of a Distance Teaching Institution as Academic Power House of Distance Education System		14
Use of Smartphones to Increase the Learning Potential of Mild Intellectually Disabled Persons		25
Convocation Address		
Indian Institute of Management Jammu, Jammu		29
Campus News		
		32
Theses of the Month (Humanities)		
		35
Advertisement		
		38

New Subscription Tariff
(Effective April 01, 2020)

	Inland		Foreign	
	Institutions	Academics/ Students	Airmail	Surface Mail
	(at residential address only)			
	Rs.	Rs.	US\$	US\$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:

Prof. Suranjan Das

Editorial Committee Chairperson:

Dr (Ms) Pankaj Mittal

Editorial Committee:

Dr Baljit Singh Sekhon

Dr Amarendra Pani

Dr Youd Vir Singh

Editor:

Dr Sista Rama Devi Pani

#Let'sBeatCoronaTogether

History of Examinations Reforms in Higher Education in India

Mahabir Singh*

In the year 1854, Sir Charles Wood, the then president of the Board of Control in Britain, sent a despatch to Lord Dalhousie, then Governor General of India. It was desired in this despatch that the functions of the university of London should be followed by upcoming universities in India. After his despatch and advice the University of Calcutta, University of Madras and University of Bombay were established in 1857 by the East India Company. The concept of affiliating universities was adopted in these universities and these universities started examining the students admitted to colleges affiliated with them. This resulted in the way students and teachers focussed on memorisation in place of understanding because examination took a prominent place in Indian higher education system. Students passing their degrees with good marks in examinations got good jobs and thus demand for degrees increased which resulted in the creation of new colleges with poor facilities except for a few institutions having good infrastructure and libraries on behalf of some religious organisations.

Early Post-Independence Reforms

After independence in the year 1948, Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, an eminent Indian philosopher who later became president of India, chaired the meeting of the University Education Commission as the first chairman of the commission after independence, found that despite many reports and recommendations of various committees there was very little improvement in the examination system in universities. The University Education Commission (1948-49) felt the gravity and magnitude of the problem and went on to say, "We are convinced that if we are to suggest any single reform in university education it would be that of examinations."

University Grants Commission (UGC), which came into existence in 1956 with the motive to take care of higher education in the country, constituted a committee in September, 1957 which was headed by S R Dongerkery, then Registrar of the University of Bombay, to examine the problems connected with examination reforms. The committee took the view that "Examination is an aspect of the educational process which is intimately linked with its other important aspects – teaching and learning – and that teaching, learning and examinations actually constitute a unity of functions. Teaching as well as learning are bound to be affected by a defective examination system since both are dominated by the objectives that govern examinations." This committee recommended the institution of tutorials, seminars,

* Controller of Examinations, Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology, Murthal – 131039 (Haryana). Email : coe@dcrustm.org, msdhanekar@gmail.com

University News, Vol. 60, No. 32, July 8-14, 2022

UNIVERSITY NEWS
Vol. 60 August 08-14
No. 32 2022
Price Rs. 30.00

A Weekly Journal of Higher Education
Published by the Association of Indian Universities

In This Issue	
ITEMS	PAGE
Articles	
Changing Paradigms in Engineering Education	3
Aspirational Study of Higher Secondary Students towards Undergraduate Programmes: A Special Study on the Occasion of Centenary Year of University of Delhi	11
National Education Policy—2020 and Roadmap for Social Inclusivity	18
Cyber Safety and Security: Contemporary Societal Issues and Concerns	23
Convocation Address	
Bharatiya Vidya Bhavan's S P Jain Institute of Management and Research, Mumbai	31
Campus News	
Theses of the Month (Science & Technology)	37
Advertisement	42

**New Subscription Tariff
(Effective April 01, 2020)**

	Inland		Foreign	
	Institutions	Academics/ Students (at residential address only)	Airmail	Surface Mail
	Rs.	Rs.	US\$	US\$
1 year	1250.00	500.00	210.00	170.00
2 years	2200.00	900.00	400.00	300.00

Subscription is payable in advance by Bank Draft/MO only in favour of Association of Indian Universities, New Delhi.

Opinions expressed in the articles are those of the contributors and do not necessarily reflect the views and policies of the Association.

Patron:

Prof. Suranjan Das

Editorial Committee Chairperson:

Dr (Ms) Pankaj Mittal

Editorial Committee:

Dr Baljit Singh Sekhon

Dr Amarendra Pani

Dr Youd Vir Singh

Editor:

Dr Sistla Rama Devi Pani

#Let'sBeatCoronaTogether

Changing Paradigms in Engineering Education

Sekar V* and Elangovan K**

23/8/2022
[Signature]

Engineering education as a professional program has been witnessing myriad changes both quantitatively and qualitatively over the last few decades. The continuous increase in the number of engineering colleges signaled a growing demand for engineering courses by students; whether due to passion or fashion is a moot question. The addition of new branches to engineering education like Artificial Intelligence, Cyber Security, Data Science, Robotics Engineering, etc. to the existing engineering streams is a matter of concern and discussion. Apparent buoyancy of engineering education throws open a host of issues to be resolved; demand and supply of engineers, employability of young engineering graduates; engineers' preference for the IT sector than core industries, engineers finding offshore green pastures resulting in *Brain Drain*, underemployment of potential boys and girls with engineering background working for menial jobs. There is a need for effective utilization and harnessing of the engineering expertise of young prospective engineers of India. Therefore, the aim of this paper is to discuss a few issues in a macro backdrop of engineering institutions in India and Tamil Nadu, besides tracing the major branches of engineering to discern the present scenario. Keeping in view the quantitative data, the main objective is to present a qualitative discussion of issues and to outline a possible roadmap for international standards in engineering education in Tamil Nadu.

Albert Einstein once said, *only the best engineering education and educators can produce the next generation*. Einstein goes further and says, *Scientists, investigate that which already is. Engineers create that which has never been*. Engineering disciplines are unequivocally indispensable, where the world is witnessing engineering marvels across the industry, agriculture, and service sectors. New materials and energy may be discovered by scientists but engineers find out a new use for them. Keeping in view of significance and relevance of engineering disciplines, there is a need for quality engineering graduates to compete at the global level. Quality students who have good aptitudes for science and mathematics may be nurtured to accomplish the ideals of an advanced technological world. In this milieu, it is necessary to take stock of academic institutions offering engineering education in India and Tamil Nadu in particular, to discern the dynamics of moving forward. There is no dearth of secondary sources of online website information on the aforesaid. An attempt is made in this

*Dean, Planning and Development, Dhanalakshmi Srinivasan University, Tiruchirappalli-621 112, Tamil Nadu. Email: dean.pd@dsuniversity.ac.in

**Principal, Dhanalakshmi Srinivasan Engineering College, Perambalur-621 212, Tamil Nadu. Email: elango77@gmail.com